प्रपत्र–4

(देखे विनियम 6 का उपबन्ध 1 (ग) 2 (क) एवं 3(क))

राज्य सरकार की ओर से अनापत्ति प्रमाण–पत्र

उत्तर प्रदेश शासन

आयुष अनुभाग–1

संख्या–8148 / 71–आयुष–1–2013–610 / 2013

लखनऊ : दिनांक 24 जनवरी, 2014

सेवा में,

अध्यक्ष,
शहीद नरेन्द्र कुमार आयुर्वेदिक मेडिकल
कालेज एवं हास्पिटल, पेसवा रोड,
चण्डौस, अलीगढ़ (उ0प्र0)।

विषय :शहीद नरेन्द्र कुमार आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एवं हास्पिटल, पेसवा रोड, चण्डौस, अलीगढ़ (उ0प्र0) को स्नातक स्तर पर बी0ए0एम0एस0 पाठ्यक्रम में 100 सीट हेतु अनापत्ति प्रमाण–पत्र के सम्बन्ध में।

संदर्भः अध्यक्ष, शहीद नरेन्द्र कुमार आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एवं हास्पिटल, पेसवा रोड, चण्डौस, अलीगढ़ (उ0प्र0) का पत्र दिनांक रहित।

महोदय,

निम्न तथ्यों के सम्बन्ध में वांछित ''अनापत्ति प्रमाण पत्र'' जारी किया जा रहा है:–

1. राज्य में विद्यमान चिकित्सा और आयुर्वेद संस्थानों की संख्या–08 राजकीय आयुर्वेदिक कालेज तथा निजी क्षेत्र में 08 आयुर्वेदिक कालेज।
2. उपलब्ध सीटों की संख्या अथवा प्रतिवर्ष उत्पन्न चिकित्सा आयुर्वेद चिकित्साभ्यासियों की संख्या–675 (स्नातक स्तर)
3. राज्य परिषद / भारतीय चिकित्सा परिषद / बोर्ड में पंजीकृत आयुर्वेद चिकित्साभ्यासियों की संख्या–59380
4. राज्य सरकार में सेवारत आयुर्वेद चिकित्साभ्यासियों की संख्या–3334
5. राज्य विशेष रूप ग्रामीण / कठिन क्षेत्रों में आयुर्वेद चिकित्सकों के रिक्त सरकारी पदों की संख्या–566
6. राज्य रोजगार कार्यालय में पंजीकृत आयुर्वेद चिकित्सकों की संख्या–सामान्यतः राज्य के रजिस्टर्ड आयुर्वेदिक चिकित्सक रोजगार कार्यालय में पंजीकरण नहीं कराते हैं।
7. राज्य में आयुर्वेद चिकित्सकों एवं–जनसंख्या का अनुपात–1 : 3081
8. चिकित्सा महाविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने पर राज्य में योग्यता प्राप्त चिकित्सकों की जन शक्ति की कमी की समस्या किस प्रकार से हल होगी तथा राज्य में चिकित्सा कर्मियों की उपलब्धता में किस प्रकार से सुधार आयेगा–आयुर्वेदिक महाविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने का उद्देश्य योग्य चिकित्सक बनाना है तथा प्रशिक्षणोंपरान्त व्याधियों (रोगों) को दूर कर मानव शक्ति को सुदृढ़ करना है।
9. छात्र जो राज्य के मूल निवासी नहीं है, पर राज्य सरकार द्वारा राज्य में प्रवेश पाने की प्रतिबद्धता अधिरोपित, यदि कोई है, का उल्लेख करें–राजकीय आयुर्वेदिक कालेजों में स्नातक स्तर पर प्रवेश सी0पी0एम0टी0 से चयनोंपरान्त महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण से होता है।

...2 / –

10. चिकित्सा महाविद्यालय में उच्चतर पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने के लिए पूर्ण औचित्य–योग्य चिकित्सक / चिकित्सा शिक्षक तैयार करना।
11. प्राप्य आयुर्वेद चिकित्सक जनसंख्या अनुपात–निर्धारित नहीं।

डा0 एन0पी0 सिंह, अध्यक्ष, आर0जी0एम0 शिक्षा एवं सेवा समिति, चण्डौस ने जनपद अलीगढ़ में आयुर्वेद महाविद्यालय स्थापित करने के लिए आवेदन किया है। प्रस्ताव पर ध्यान पूर्वक विचार करने के पश्चात उत्तर प्रदेश सरकार ने शहीद नरेन्द्र कुमार आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एवं हास्पिटल, पेसवा रोड, चण्डौस, अलीगढ़ (उ0प्र0) को स्नातक स्तर पर बी0ए0एम0एस0 पाठ्यक्रम में आयुर्वेद महाविद्यालय स्थापित करने के लिए 100 सीटों के साथ पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने का निर्णय लिया है तथा यह भी अपेक्षा की गयी है कि उक्त संस्था सी0सी0आई0एम0 के मानकानुसार समस्त संसाधनों की पूर्ति कर लेगी–

यह प्रमाणित किया जाता है कि

(क) आवेदक के पास 100 शैय्याओं वाला अस्पताल है।

(ख) आयुर्वेद महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित करना जनहित की वांछनीय है।

(ग) शहीद नरेन्द्र कुमार आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एवं हास्पिटल, पेसवा रोड, चण्डौस, अलीगढ़ (उ0प्र0)को संचालित किये जाने स्नातक स्तर पर बी0ए0एम0एस0 पाठ्यक्रम में 100 सीट किया जाना उचित है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित महाविद्यालय में भारतीय चिकित्सा परिषद के मानदण्डों के अनुसार पर्याप्त नैदानिक सामग्री है। आगे प्रमाणित किया जाता है कि यदि प्रार्थी आयुर्वेद महाविद्यालय के लिए भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद के मानदण्डों के अनुसार अवसंरचना उपलब्ध कराने में असमर्थ रहता है और केन्द्र सरकार द्वारा आगे प्रवेश रोक दिया जाता है तो राज्य सरकार केन्द्र सरकार की अनुमति से महाविद्यालय में पहले से प्रविष्ट छात्रों की पूरी जिम्मेदारी लेगी।

भवदीय,

(मुहम्मद अख़लाक खॉ)
संयुक्त सचिव।

संख्या–8148(1) / 71–आयुष–1–2013--तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1– सचिव, सी0सी0आई0एम0, जनकपुरी, नई दिल्ली।
2– सचिव, आयुष विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।
3– महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0, लखनऊ।
4– कुल सचिव, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर।
5– निदेशक, आयुर्वेद सेवायें, उ0प्र0 लखनऊ।
6– गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(शैलेन्द्र नाथ शुक्ल)
अनु सचिव।